

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया 2 लाख 7 हजार हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

पंजाब कैसरी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब कैसरी): सामाजिक संस्था पंजाबी विरादी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैकटर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेकटर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस

प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साड़ंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। उन्होंने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

- ਲਾਗਲੇਵੀ ਬੋਧਾਜ ਸੀਕਹੀ ਨੇ ਕਿਧਾ ਹਜ਼ਾਰ ਚਾਲੀਸਾ ਔਦ ਸੁਣਕਾਂ ਪਾਠ ਮੌਖਿਕ ਰਹਿਤਾਂ ਕੇ ਤਜਾਗਾਰ

માટકર બ્યાંડો

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। इत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मन्दिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9-ए स्थित चिराग फॉटोडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने



हनुमान चार्लीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साठंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य महिता में छिपे टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रीगी ऋषि ने दग्ध के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी

कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां वांशा गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर, एडवेकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, जोत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी दुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथुरिया की उपस्थिति रही।

गुडगांव टुडे

युवा वर्ग को ग्रन्थों में लिये रहस्य से परिचित कराएं त्रष्णि : बोधराज सीकरी

- बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जु़ुर रहा हर वर्ग।
- युवा वर्ग को मिल रहा सांस्कार रूपी ज्ञान।

गुडगांव टुडे, गुरुग्राम

भवित्वाणा भीएसबीट ट्रस्ट के उत्तराखण्ड बोधराज सीकरी ने कहा कि अधिकारी भूमियों को ऐसे आगे आना होगा और दैर्घ्यकाल काल की लकड़ीकारों को उत्तराखण्ड करना होगा। ग्रन्थों में लिए रहस्यों से आज की यही परिवास है सक्त, यह उकरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रभाव चाहिए, और हमारे संत ही सक्षम हैं हमें उत्तराखण्ड करने के लिए। यह यात उन्होंने वहाँ श्री गीरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में मुद्रकर्त्ता पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के द्वारान अपना वक्ताव्य देते बोधराज सीकरी।



गुरुग्राम में श्री गीरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में शुद्धरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के द्वारान अपना वक्ताव्य देते बोधराज सीकरी।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के लकड़ अब लक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक छठ

हो चुके हैं। सेक्टर 9-ए स्थित विद्यालय पर्सिडेंटल स्कूल के 50 वर्षों ने भी कर गयी है।

याठ की मंडणा 2 लाख 7 हजार पर हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के लकड़ अब तक कुल

लिये गए हैं जो उकागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रन्थ है जु़ुर हनुमान चालीसा और मुद्रकर्त्ता पाठ में विक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस

जमाने में कैसे मृत मृती वे उच मान्दें दिस्ट्रिक्ट नहीं वा लै बैड्रारी, मध्यमा, पश्चिम, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संरक्षित किया। युवा लकड़ का हजार दिव्य। इसी प्रकार अग्रस्वल सहित में लिए टेक्नोलॉजी का उक्त किया कि कैसे तुलसी में विजली का आविकर किया गया। कैसे शुद्धी ज्ञान ने यह के मालामाल से महराज दशाप के लकड़ पुर्जों को उत्तम करने का वरदान किया। श्री टेक्नोलॉजी कहा है जो लक्ष्मण ने माता मील को सुरक्षित रखने के लिए रेता याँची दी। इन टेक्नोलॉजी की सीं तुलसी उत्तम कर सकते हैं। इस अक्सर पर गर्जेंद गोमई ने संगीतमय पाठ कर सका था। श्री गीरी शंकर मन्दिर के उद्घाटनार्थी लकड़ी चंडीक, एचसी कपूर, सुधार ग्रोवर एल्बीकेट, भरत अनंदाल, विवद अंदोड़, मोज विवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी विलोलिला, पीपौ मेहदत का विशेष समर्थन रहा।

नये भारत का अखबार

गुड़गाव मेल

हरियाणा के सभी जिलों, चंडीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संकारणी ज्ञान

चूरो/गुड़गाव मेल

गुड़गाव, 14 जून। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अनुशासी में कल दिनांक 13 जून, पंगलवार का श्री गीरी शंकर मन्दir, सेकटर-9-ए, गुड़गाव में सुन्दरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक बार से आधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल अधिकारी की संख्या 450 थी, जिनमें 11-11 बार पाठ भवित्वमय गरीके से किया। युवा भवित्वमय मिट्टि में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुनाते लोग में 22 लोगों ने

7 बार और दो योगा टोचर्स महिला 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9-ए, सीकरी विधान फॉर्डेनेशन स्कूल के बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार बार कर चुकी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुन्दरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। यह ही एक उपर्युक्त है गृह गीता विषयमें छिपी देखोलाजी का जकि किया कि उस जगतेमें

कैसे सुन भूमि जी ने जब सार्ड

सिस्टम नहीं था तो किस

देखोलाजी से सतर हजार लोगों

को संबोधित किया और गुरु तत्त्व

का ज्ञान दिया। वह देखोलाजी थी बैखरी, मध्यमा, पर्यावरि, पाठ और अपार विषय। इसी प्रकार अपार विषय संस्थानों में छिपे देखोलाजी का जकि किया कि कैसे हल्लों से विजयी का आविष्कार किया गया। कैसे श्रींगी झाँपी ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशाय के चार पुत्रों को उपायन करने का वरदान दिया। यो देखोलाजी कहाँ है जो लक्षण ने माता सीता को सूर्योदय रथये के लिए रेखा खींची थी। इन देखोलाजीजों को सत पूर्ण उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उक्तीने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ज्ञानमें भूमियों को नियंत्रण आना होगा और इन रहस्यों



को उजागर करना ही योग्य ताकि आज का युवा युग्रोंमें छिपे रहस्यों से परिचित हो सके कर्मीजी आज का युवा विज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे सर्वों से प्रभाव लाइए और हमारे सर्वों ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस भीर की आधारिता प्राप्ति: स्वर्णीय, रसम् दूषनीय व्यापी श्री सुपांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आधार इस प्राणिय की सकलात्मक जागते से होता है। बोधराज सीकरी ने व्यापी जी को एक बहुत पूजन उद्घाटन प्रस्तुत कर लीगी तो सभ को गृहद कर दिया। उक्तीने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिदा जाता नहीं और नरा हुआ

बताता नहीं तो स्वामी और नारक जिसने देखा है वह इसको बचा बार-बार हाती है। अब: स्वामी और नरक यही हैं। जब: स्वामी और उसे सर्वों से प्रभाव लाइए और हमारे सर्वों ही सक्षम हैं उजागर करने के होते ही हम नक भी हैं।

इस अवसर पर गवेंद गोसाई

ने संगीतमय पाठ कर स्मार्त

बाधा गीरी शक्ति मंदिर के

परायिकारी एन पी चडोक, एन

सी कपूर, सुभाष गुप्ता,

एडजोकेट, नरेश अग्रवाल,

विजय आरोहा, मनोज जिलेदी,

दिनेश शर्मा, राज कुमार, एन

पी चिहोरा का

विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में यगदीश प्रोब्लम, अशोक विजाकर, एस-एस चालाला, गिरिराज डॉगडा, मोहित शुश्राव, एस. के खुलता, राम लाल शुश्राव, सीरोज चौपडा, डॉ. परमेश्वर अरोडा, थमेंड बचाव, रमेश कामर, अर्पितना बचाव, रवना बचाव, अर्पितनी बचाव, रणधीर दत्तन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि भवेश, सुधा गांधी, रामदीश रवेश, राजेश चूग, किशोरी दुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दत्तीप लक्ष्मा, अरित्र कुमार, वासदेव शुश्राव, अनंत जैन, राजकुमार जैन, द्वारका नाथ, नरिदर कश्चिरिया को उपर्युक्त रही।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फतेहाबाद से प्रकाशित



पायनियर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

युवा वर्ग को मिल रहा
सर्वकार रूपी ज्ञान

पायनियर समाचार सेवा | गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपायक बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों-मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है, क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात



गुरुग्राम में श्रीगौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दीरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

उन्होंने यहां श्रीगौरी शंकर मन्दिर चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और तक 32 से अधिक स्थानों पर दो हनुमान चालीसा पाठ के दीरान कही।

बोधराज सीकरी को हनुमान चुक हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग

फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या दो लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रन्थ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनिजी ने जब साँड़ सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पर्याति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संवेदित किया। गुरु तत्त्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य सहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र

किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रीगौरी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया।

वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्षण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समझ बोध। गौरी शंकर मन्दिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कृष्ण, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तेड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

गुरुग्राम केटटी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : सीकरी

गुडगांव, 14 जून (ब्यूरो) : समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

आयोजन में सीकरी ने हनुमान

चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रन्थ है “गुरु गीत” जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया।

वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार “अगस्त्य संहिता” में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि

ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज की उपस्थिति रही।

बुद्धिंद रघोङा

सम्पादक-संविधान सचिव

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सामाजिक संस्था पंजाबी विरादी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआरट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी को अगुवाई में सैकर भए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मांगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामन प्रश्न शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सैकर 7 शिथत विराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 1 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे मृत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यम, पश्यति, पग और अपग विधि।



कार्यक्रम में शामिल संस्थाके पदाधिकारी व श्रद्धालु।

इसी प्रकार अगस्त्य सहित में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रुति ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्षण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रखा

खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक

दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए। और हमारे सत ही सक्षम है उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला खामी सुधारु महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। बोधराज सीकरी ने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक

किसने देखा है। इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्वा और नरक यही हैं। जब हम सात्त्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। गजेंद्र गौसेइ ने संगीतमय शैली में पाठ किया, जिसमें गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एवं पंचांडीक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मोने त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तिया, पौषी भेहता का सहयोग रहा। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से ज्यादा पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एचसीसी चावला, गिरिराज हींगझा, मोहित ग्रोवर, एसके खुड़क, रामलाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डा. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, संदेश कामरा, ज्योत्स्ना बजाज, रघवा बजाज, अधिनी वर्मी, रणधीर टंडन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोच, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, गजेश चुग, किशोरी दुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूहरा, अनिल कुमार, वामदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नंदेंद कथूरीया आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संरक्षणीय ज्ञान

● समाजसेवी

बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

● युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिवर्तित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/व्यूगे

गुरुद्वारा। समाजसेवी बोधराज सीकरी अस्युक्त में कल दिनांक 13 जून, भैगुरुवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, मेहरान-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा चाठ का आयोजन किया गया। आयोजन के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। नव मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिनमें 11-11 वार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जाम्पृत, शिर मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 वार पाठ किया, सुशांत रोड में 22 लोगों ने 7 वार और दो योग टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 वार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9-ए, संवित विराग फॉर्डेनेशन स्कूल के 50 वर्षों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है।



इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड चाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। सब ही एक त्रैये हैं गुरु गौरी विजयों में 22 लोगों ने 7 वार और दो योग टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 वार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9-ए, संवित विराग फॉर्डेनेशन स्कूल के 50 वर्षों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है।

अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त महीने में छिपे टेक्नोलॉजी का अंक्रिया का अविकलन किया गया। इसे बुनियों को फिर किया कि कैसे तुलसी से विजयों का अविकलन किया गया। आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से उत्तेजन करने का वरदान दिया। यो टेक्नोलॉजी कहीं ही लाभग्रन्थ में माता सुता को सुरक्षित रखने के लिए रेता रखी थी। इन टेक्नोलॉजीज को संतुष्टुत दुष्टों को फिर सकते हैं।

इस प्रकार उड़ानेवे गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि कैसे तुलसी से विजयों की भूमियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से पर्याप्त हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संरक्षित करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला डाइट: स्मरणीय, चरम

पूजीय स्वामी श्री मुहम्मद जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी।

बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराणा उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के माझे को गढ़ दिया। उन्होंने बताया कि एक वार स्वामी जी ने कहा था कि विद्या जात जर्जी और मरु हजार बातों नहीं तो स्वर्ण और नरक किसने देखा है ये इसकी चर्चा बार-बार होती है। अब: स्वर्ण और नरक यही हैं। जब हम साधिक लातावत्तम में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ण में हैं और जब लग्नसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर गर्जेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर रहा था।

गोरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एवं पी चंदोक, एवं स्मृति कपूर, सुधार गोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज विष्णुदेव, दिवेश शर्मा, राज कुमार, एवं पी विलोदिंदा, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीप ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एवं एस चाकला, निर्विज विंग्राम, शोहित श्रोतर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर असोदा, घर्मेंद बाजाज, रमेश कामना, ज्योतिस्त्रा बाजाज, रघुना बाजाज, अरविन्दी वर्मा, रघुवीर टाट्वर, तिलक चावला, रमेश चूटानी, रवि नवोचा, सुभाष नांदी, जगदीप रखेजा, राजेत चूग, किशोरी दुर्देवा, सुरेंद्र बरेली, दर्शन लुधरा, अविल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय चुनेजा, राजकुमार चुनेजा, द्वारका नाथ, नरिदर कच्चरिया की उपसंस्थिति रही।

ज्योति दर्पण

दिनदी देविक

Website : www.jyotidarpan.com

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

प्राचीन पात्र विवरणों को बोधारन संबंधित की अभ्यास में कला विद्यार्थी १३ वर्ष, मैत्रीकाल की भी यीरी शक्ति खोया, बैठक-८-ए, युवकम् में युवकवाद पठन और इनका विवरण पाठ का अवधारणा विवरण दिया। अप्रैल वाह ते दिन मृदित के तहत एवं उसके २२ दिन में अधिक गढ़न्नों पर २ लाख एक इकाई से अधिक पठन हो चुके हैं जो एक संग्रहालय के अधिकारी ने कौन सा लालाजीको की घटनाएँ ५४० वर्ष, जिन्हें ११-११ वाह पठन भवित्वम् तोड़के तथा विवरण पाठम् तोड़ा गया तो ३० लोगोंने ३-५ वाह पठन किया, मूलतः लोक में २२ लोगों ने ७ वाह और दो लोग लैखनय गढ़न ४० लाख ने १ वाह पठन किया। एक ही विवरण एवं विवरण विवरण विवरण की ५० वर्ल्ड्स् में भी समूहन् खलीम् में विवरण। इस प्रकार विवरण के नहर बच तक तुला पठन विवरण २ उच्च वर्षों का बच गया है। इस अध्योग्यन् में जीवशरण भवीकारी ने द्रव्यमान चालीसा तीव्र दूरदृष्टिका नज़र में दिये रहान्नों को विवरण किया। वाह सुन दूर पांच हैं। 'युव गोव' विवरण दियो देवालीवालों का विवरण किया कि उस उपरान में कैसे दूर सून जै ने जो यारदृष्टिविवरण नहीं या को किस विवरणमें या उपर हम्मर लोगों को संबोधित किया एवं तुम्हारा वाह कौन दिया। वाह देवमन्त्राली थी बैठकी, वयस्य, वयस्य, एवं अप्या विवरण। इसका 'प्राचीन लोहू' में विवरणकारी का विवरण किया कि कैसे तुम्हारे दो विवरणों का आविष्कार किया जाता है किंतु विवरण की विवरण देव वाह के पाठ्यवन में महावारन दूरवान् के बार उपरोक्तों को उपर करने का बचाव दिया। वो देवोंकी कहीं हैं जो लापन में वाह मौत को मूर्खित रखने के विवरण देक्ता वैनी थी। इन



आज समाज

www.aajsamaaj.com

खा
ली
के

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

आज समाज नेटवर्क

मुकुटामा। दृश्यमान सीमांतर दृष्टि के उदाहरण लोधियों योगी की निष्ठा का अनुभव करने वालों को निष्ठा आनंद होना और वीरामानन्द काला की तकनीकों को उजागर करना होगा। योगी ने इसे युवाओं से अपने की योगी पर्दीचार के 50 वर्षों ने भी इन्हमने यात्राओं में भाग दी है, जहां जहां है। कर्मिक अवज्ञा का युवा वीरामानन्द योगीकोण का है। उसे सर्वों से प्रश्नण चाहिए और हमारे सर्व ही सम्म मैं हूँ उजागर करने के लिए। यह कात उक्साने करने की गोती

शंकर मर्नन्द सेक्सट-9-ए में सुदूरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पठ के दीपन करते। बोधराज सीकरी की इन्हमने यात्राओं का अधिक स्वरूप 32 में अधिक स्वरूपों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 47 रियल रियल फैर्डेनाम स्कूल के 50 वर्षों ने भी इन्हमने यात्राओं में भाग दी है, जहां जहां है। कर्मिक अवज्ञा का युवा वीरामानन्द योगीकोण का है। उसे सर्वों से प्रश्नण चाहिए और हमारे सर्व ही सम्म मैं हूँ उजागर करने के लिए। यह कात उक्साने की गोती

किया। उन्होंने कहा कि एक शंख है तुक गोती। जिससे दिखा टेक्कालीजी का लिंग करते हुए उन्होंने कहा कि इस जगते में कैसे सूरु मूल वीरों ने यज यात्रा करने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्कालीजी को संत पूर्ण मध्यमा, परमात्मा, और अपारं लिख टेक्कालीजी से 70 हजार लोगों को गंगार यात्रा के पाठ्यक्रमों एवं चढ़ीज़ों संबंधित किया।

युवा यात्रा का जन दिवा। इसी प्रसरण अवसर

पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर रही

है। बोधराज सीकरी ने इन्हमने यात्राओं और

सुदूरकांड पठ में छिपे रहस्यों को उजागर

किया। महाराज द्वारा यह के बाहर पुरों को उत्तम करने का वरदान दिया। यो टेक्कालीजी कहा है कि जो

लक्षण ने यात्रा सील को सुरक्षित रखने के लिए

रेखा खींची थी। इन टेक्कालीजी को संत पूर्ण

उजगर का नाम सहित है। इस अवसर पर महार

नाराई ने संचालन पठ कर सम्भाला। गोती

गंगार यात्रा के पाठ्यक्रमों एवं चढ़ीज़ों

पर्यायी काम्प, सुधार गोपर एवं योगेन्द्र, नीला

अद्वावात, विजय अगोदा, भगवन जिवेदी, दिनेश

लाला, यज कुमार, एवं विनोदिंगा, पीषे मेहता

का विलेप सहयोग रहा।



अपना वक्तव्य देते खेभगर योगी।

ओपन सर्व

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

**संस्कृत वाची विद्यालय
काशी हाराम**

ग्रन्थ का अधिकारी बन गया। उसके बाद वह अपने अधिकारी के नाम से जाना जाता है। इसके बाद वह अपने अधिकारी के नाम से जाना जाता है। इसके बाद वह अपने अधिकारी के नाम से जाना जाता है।

एवं इसका उपर्युक्त पालन विद्यमान
एवं अन्यत्रापि विद्यमान भी तदनु विद्यमान
विद्यमान विद्यमान एवं विद्यमान
विद्यमान विद्यमान एवं विद्यमान
विद्यमान विद्यमान एवं विद्यमान



■ इस तरह हो सकते हैं
विविध रूप के वीडियो
सेवा और नेटवर्क
सेवाएँ

संवाद लिये तो वह कहा कि वह एक अप्रूढ़ व्यक्ति है जो कि अपनी विशेषताएँ नहीं बता सकता। इसके बाद वह उसकी विशेषताएँ बताता हुआ कहा कि वह एक अप्रृच्छीय व्यक्ति है जो कि अपनी विशेषताएँ नहीं बता सकता। इसके बाद वह उसकी विशेषताएँ बताता हुआ कहा कि वह एक अप्रृच्छीय व्यक्ति है जो कि अपनी विशेषताएँ नहीं बता सकता। इसके बाद वह उसकी विशेषताएँ बताता हुआ कहा कि वह एक अप्रृच्छीय व्यक्ति है जो कि अपनी विशेषताएँ नहीं बता सकता।

तात्पुर विजय

प्राणी विद्युत के अनुकूल होने का लक्षण है। इसके अलावा, जब विद्युत का उपयोग नहीं होता, तो विद्युत का विद्युत विकास का एक अवधारणा है। इसके अलावा, विद्युत का उपयोग नहीं होता, तो विद्युत का विद्युत विकास का एक अवधारणा है। इसके अलावा, विद्युत का उपयोग नहीं होता, तो विद्युत का विद्युत विकास का एक अवधारणा है।

हरियाणा की आवाज़

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग



गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे सतों से

प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से

अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9-ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे

रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रन्थ है गुरु गीता। जिसमें छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पर्याति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य सहित में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे द्वांगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को सत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मन्दिर के पदाधिकारी एनपी चंदोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

सच कहूँ

Sirsa
Regd
HARY

• ज्वेष्ट थुकल 12 • विकाम तंत्रज्ञ 2080

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

- बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

गरुग्राम(सच कहूँ न्यूज़)

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9-ए स्थित चिराम फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने



सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी। भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। कैसे तुलसी से बिजली का इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रन्थ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य सहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

तीव्रवार

गुरुग्राम

दिनांक : 15/6/23

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9-ए रिहित घिराग फॉर्डेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रन्थ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया गया कि कैसे तुलसी से विजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगे ऋषि ने ज्ञान के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्षण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रखा थीं। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उस संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गदगद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि "जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं" तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है स इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सातिक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रघुनाथ बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुगा, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूधरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

■ समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता
गुरुग्राम, (रण टाइम्स)।
समाजसेवी बोधराज सीकरी की अमृताई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरि शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मालवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिसमें 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जग्मुख शिव मन्दिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सूर्योत्तर में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर प्र० विहार फॉउंडेशन सहूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज



सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रन्थ है गुरु गीत विषय में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस ज्याने में कैसे सूत मूरि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सतर हजार लोगों को संबोधित किया और

गुरु तत्त्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मछमा, पर्स्वत, पठा और अपरा विधि। इसी प्रकार -असाम्य सहित- में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया जिस कैसे तुलसी से विजयी का अविष्कार किया गया। कैसे श्रुंगी ऋषि ने गृह के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों

को उत्पन्न करने का व्यवहार दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रखा थीं वहीं थीं। इन टेक्नोलॉजीज के संतुष्ट पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्हें गृह विषयों पर ज्ञानान् दिया और आजह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा प्रवृद्धी में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके व्यक्तिक आज का युवा वैज्ञानिक ट्रूटिकोण का है और उसे संतुष्ट से प्रभान्व चाहिए और इसके संतुष्ट ही सक्षम है उजागर करने के लिए। इस मन्दिर की आधारिता प्रति: स्मृतीव, पम पूर्वीव स्वामी श्री सुर्योत्तर जी महाराज के करकमलों द्वारा दुर्घट हुई थी। जिसका अध्यात्म इस प्राणं की सहरयत्क ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उद्याहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गढ़द कर दिया। उन्हें अवलम्बन कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि -जिंदू जाता नहीं और मरा हुआ बहाता नहीं- तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है द्य इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और

नरक यही हैं। जब हम साधिक व्यताकरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब ताप्तिमिक प्रकृति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अज्ञान पर गोदै गोदाई ने संतुष्टपर्म पाठ कर समां बांध लीरि शंकर मन्दिर के पद्मधिकारी एन पी चंद्रेक, एवं सी कामू, सुभाष ग्रोवर एडवेक्ट, नरेश अल्लाल, विजय अरोड़, मनोज किंवदि, दिनेश शर्मा, गज कुमार, एस पी विलेडिंग, पी पी मेहता का विरोध महायोग द्या।

आयोजन में जनदीप ग्रोवर, अरोड़ दिव्यकर, एच.एस चावलवर, विरोज दीवाल, महित ग्रोवर, एस. के सुखल, गम लल गोवर, सतीत चंपड़, डॉ. परमेश्वर अरोड़, भैमेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योतिसना बजाज, रमना बजाज, अरिकनी शर्मा, रमेश टंडन, लिलक चानना, स्पेत चुटानी, गव भोज, सुभाष गोपी, जगदीरा रखेज, गजेश चौहा, किरोड़ी दुडेगा, सुरेंद्र बरेजा, दलेप सुख्य, अविल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, गुरकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरेश कर्श्चिया की उपस्थिति रही।

3 **हरियाणा**
जेटी का लंच बोर्ड मिट्टी करता, और खट्टों : रमेश



पृष्ठ 11

6 **विद्यार क्रान्ति**
बुलूर्जे पर बढ़ते दुर्लभताएँ
सख्ताएँ हैं उनका नाम प्रधान

राष्ट्रीय दैनिक

8 **हरियाणा**
प्रदर्शनी परिवर्त 100 सालों पर
गलाएं गोल दिवस - गोल सिंहाल

संसदीय पालन - अटल यार्दियांगी उद्ध. की शिरकतों द्वारा भी आमिला
। चारों कंडों विभिन्नों दैवतों द्वारा दिवस, जो गोल वर्ष के लिए विशेष बदला जाता है।

10 **पीछे**
प्रधान ने जलता ही
प्रधान संकेत है ताकू

12 **हरियाणा**
सोजा दिने पर आज जली इकातार
सो प्रधानोंना थे : दोष दिन



पृष्ठ 44 | अंक 154

जीनद

गुरुवार, 15 जून, 2023

पृष्ठ 12 | मूल 13

जगत क्रान्ति

हरियाणा का सर्वान्न लोकप्रिय हिन्दू दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: jagatkrantijind@gmail.com

जीनद (हरियाणा) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग : सीकरी

जगत क्रान्ति ► एनके अरोड़ा

गुरुग्राम : सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया।

जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सैक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में



भाग लिया।

इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ को संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित

किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा अंग सुंदरकाड़ पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहने से परिवर्तित कराएं
ऋषि : बोधराज सीकरी

भारत सारथी
मृगशाम। समाजसेवी बोधराज सीकरी को आपूर्वी में कला विद्याका 13 जन, मंगलवार को भी जीती ही सेक्टर-9, ए, फॉर्डेनेशन स्कूल के 50 वर्षों में भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको चाला दें कि मूर्तिम के तहत अब तक 32 से हजार पाठ कर गयो हैं। अधिक स्थानों पर 2 लाख एक बोधराजी ने हनुमान चालीसा और नान मंगलवार के आयोजन में कुल 40 लोगों ने 1 चाल पठा किया। साथ ही सेक्टर-9, ए, फॉर्डेनेशन स्कूल के 50 वर्षों में भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मूर्तिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और नान मंगलवार के आयोजन में कुल 450 वर्षों में छिपे रहस्यों को उद्घासित किया। सब ही एक ग्रन्थ है युवा जीवनमें छिपे देवकालीनी का विक्रिया किया कि उस जीवनमें कैसे सूत मूर्ति जी ने जब सार्वद



का जान दिया। वह देवकालीनी थी बीचुखरी, मध्यम, पश्चात, पाठ और अपार विधि। इसी प्रकार आपार संहिता में छिपे देवकालीनी का जान किया कि कैसे तुमसी से विवरणी का आविष्कार किया गया। कैसे श्रीगी ऋषि ने यजा के माध्यम से महाराज दत्तात्रेय के चार पुत्रों को जलों में होता है। बोधराज सीकरी ने श्वासी जी का एक बहुत पुराणा उदाहरण प्रस्तुत कर लीगों के मन को निष्ठ कर दिया। उद्देश्य वाताया कि एक बार श्वासी जी ने कहा था कि यदि जागा नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वयं और नरक किसरने देता है वह इसीकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक वही हैं। जब हम सारीविद्या आतावरण में संतुलित कर रहे हैं तो हम हम सभी जीवों में ही हैं और जब तापावलिक प्रवृत्ति के हाते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर नवें दूसरे ने संगीतमय पाठ कर सभा नवाचार के लिए उपस्थिति किया और गुरु तत्त्व ऋषि नहीं या तो किस देवकालीनी से सतत हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्त्व ऋषि के लिए।

इस प्रकार उद्देश्य साजन विषयों पर व्याख्यान दिया और आपहुं किया जिस विषयों को छिपे अपने आप हीं। अतः स्वर्ग और नरक वही हैं। जब हम सारीविद्या आतावरण में संतुलित कर रहे हैं तो हम हम सभी जीवों में ही हैं और जब तापावलिक प्रवृत्ति के हाते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर नवें दूसरे ने संगीतमय पाठ कर सभा नवाचार के लिए उपस्थिति किया और गुरु तत्त्व ऋषि के लिए।

उद्देश्य संत ई संक्षेप है उजागर कपूर, सुधाप्रीत ग्रोवर, नेता अग्रवाल, निवाय अरोदा, मनोज विशेषी, निरेश शर्मा, राज कुमार, यस पर विजेताओं, वी पी मेहता का विशेष सहायोग रहा। आयोजन में जयदीप ग्रोवर, अगोक दिव्याकर, एवं एस चावला, नितिराज चौधरी, मीरात ग्रोवर, प्रिया, के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सरदार चौधरी, डॉ. परमेश्वर अरोहा, धर्मेंद्र चत्वार, रमेश कामा, न्यायसन चत्वार, रवना चत्वार, अर्थिनी चर्मा, रविंद्र टन्डन, निलक चानना, रमेश चूटान, राम मनोजा, सुधाप्रीत गोपी, जयदीप रखेता, राजेश चूप, किसोरी दुष्टेजा, सुरेंद्र चत्वार, दीपीप लुधा, अनिल कुमार, वालदेव ग्रोवर, अजय जैनेजा, राजकुमार जैनेजा, द्वारका नाथ, नवदिव कदमिया को उपस्थिति रही।

अमर भारती

संकलन

एक उम्मीद

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। हरिनामा सीरीज़ आर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मूनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक हिंडिकोण का है। उसे सतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए।

यह बात उन्होंने बहाँ श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सूंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दीरान कही बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए लियत



चिराग फॉर्डिंगेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सूंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। इस अवसर पर

गंडे गौसाई ने संगीतमय पाठ कर समां चांधा। गौरी शंकर मन्दिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एवं सी कपूर, सुभाष श्रोतर एडवोकेट, नरेश अश्वाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चितोड़िया, पीपी महता का विशेष सहयोग रहा।



Home > Bodhraj Sikri > बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

By ajeybharat · © Wednesday, June 14, 2023

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर



युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिवित कराएं कथि : बोधराज सीकरी